

पुष् 1, 4, 9 P. (पोषति, पुष्यति, पुष्णाति, पुष् or पुषित)
 1 To nourish, foster, rear, bring up, nurture; तेनाव्य
 वत्समिव लोकमसुं पुषाण Bh. 2. 46; पुष्णामि चौषधीः सर्वाः Bg. 15.
 13; Bk. 3. 13; 17. 32. —2 To support, maintain, bear.
 —3 To cause to thrive or grow, unfold, develop, bring
 into relief; पुषोष लाव्यमयान् विशेषान् Ku. 1. 25; R. 3. 32;
 न तिरोधीयते स्थायी तैरसौ पुष्यते परम् S. D. 3. —4 To increase,
 augment further, promote, enhance; पञ्चानामपि भूताना-
 मुक्तव्यं पुषुष्युणः R. 4. 11; 9. 5. —5 To get, possess, have,
 enjoy; विमुक्तः संकल्पः किमिलिष्टिं पुष्यति न ते Bh. 3. 34.
 —6 To show, exhibit, bear, display; वपुरभिनवमस्याः
 पुष्यति स्वां न शोभाम् S. 1. 19; Ku. 7. 18, 78; R. 16. 58;
 18. 32; न हीश्वरव्याहृतयः कदाचित् पुष्णन्ति लोके विपरीतमर्थम्
 Ku. 3. 63; सूर्यापाये न खलु कमलं पुष्यति स्वामभिष्याम् Me. 82.
 —7 To be increased or nourished, thrive, prosper. —8
 To magnify, extol. —9 To bud, bloom, blossom; पुष्यत्-
 पुष्करवासितस्य पयसो गण्डुषसंकान्त्यः U. 3. 16. Māl. 9. 34.
 —10 To share, divide. —II. To shine, beam, gleam; साधु
 साधिति सहश्रः पुष्यमागैरिवान्तैः Mb. 12. 58. 26. —Caus. or
 10 U. (पोषयति-ते) 1 To nourish, bring up, maintain
 &c. —2 To increase, promote. —3 To take care of,
 provide for. —4 To put on, wear.

पुष् a. 1 Nourishing. —2 Showing, displaying;
 योषितामातिमदेन जुघूर्णिभ्रातिशयपुंषि वंषि Si. 10. 32.

पुष्कम् Nourishment, nutrition.

पुष् p. p. [पुष्-क] 1 Nourished, fed, reared, brought
 up. —2 Thriving, growing, strong, fat. —3 Tended,
 cared for. —4 Rich, magnificently provided. —5 Com-
 plete, perfect. —6 Full-sounding, loud; स्वरेण हृष्टपुष्टेन
 तुष्टाच मधुसूदनम् Mb. 12. 47. 14. —7 Eminent. —८: N.
 of Visnu. —९म् 1 Nourishment. —2 Acquisition, gain
 (Ved.). —Comp. —अङ्ग a. fat-limbed, well-fed. —अर्थ
 a. fully intelligible.

पुष्टिः f. [पुष् भावे-किन्] 1 Nourishing, breeding, or
 rearing. —2 Nourishment, growth, increase, advance;
 अत् पिषतामपि तृणं पिष्टोऽपि तनोषि परिमैः पुष्टिम् Bv. 1. 12.
 —3 Strength, fatness, fulness, plumpness; अन्यस्य दृष्टिरिव
 पुष्टिरिवातुरस्य Mk. 1. 49. —4 Prosperity, thriving. —5
 Maintenance, support. —6 Wealth, property, means
 of comfort; तस्मब्बुध्यन्नुदिते समर्पा पुष्टिं जनाः पुष्य इव द्वितीये
 R. 18. 32. —7 Richness, magnificence. —8 Development,
 perfection. —9 N. of a ceremony performed for the
 attainment of welfare; also पुष्टिकर्मन् q.v. —Comp. —कर
 a. nourishing, nutritive. —कर्मन् n. a religious ceremony
 performed for the attainment of worldly prosperity.
 —कान्तः an epithet of Gaṇesa. —द् a. 1 nourishing. —2
 causing growth or prosperity. —दः N. of a medicinal
 plant (Mar. आसंथ). —मार्गः N. of the doctrine of a
 Vaisṇava sect founded by Vallabhāchārya. —वर्धन् a.
 promoting welfare, causing prosperity. (—नः) a cock.

पुष्करम् [पुष्कं पुष्टे राति, रा-क; cf. Un. 4. 4] 1 A
 blue lotus; *Nelumbium speciosum*; तः कान्तैः सह करपुष्करे-

रिताम्बुद्यान्युक्तीमाभिसरणग्लहामदीव्यन् Si. 8. 32. —2 The tip
 of an elephant's trunk; आलोकपुष्करमुखोळासितैरभीक्षणमुक्षाः-
 बभूवरभितो वपुरम्बुद्यैः Si. 5. 30. —3 The skin of a drum,
 i. e. the place where it is struck; पुष्करेवाहतेषु Me. 68;
 R. 17. 11. —4 The blade of a sword; कोथेनान्धाः प्राविशन्
 पुष्कराणि Si. 18. 17. —5 The sheath of a sword. —6 An
 arrow. —7 Air, sky, atmosphere; पुष्करं पूरयामासुः सिंह-
 नादेन भूयसा Śiva B. 18. 50. —8 A cage. —9 Water. —10
 Intoxication. —11 The art of dancing. —12 War,
 battle. —13 Union. —14 N. of a celebrated place of
 pilgrimage in the district of Ajmere. —15 The bowl
 of a spoon. —16 A part, portion. —17 The tip of the
 elephant's trunk; Mātanga I. 2. 2; 3. 1; 5. 8; 6. 9.
 —८: 1 A lake, pond; पुष्करे दुष्करं वारि ... Jyotistattvam.
 —2 A kind of serpent. —3 A kind of drum, kettle-
 drum; अवादयन् दुन्तुभीश्च शतशश्चैव पुष्करान् Mb. 6. 43. 103.
 —4 The sun. —5 An epithet of a class of clouds said
 to cause dearth or famine; Me. 6. (v. l. पुष्कल); तदीया-
 स्तोयेव्यव्य पुष्करावर्तकादिषु । अन्यस्यन्ति तटायातम् Ku. 2. 50.
 —6 An epithet of Kṛiṣṇa. —7 An epithet of Śiva. —8
 The Sārasa bird. —9 An inauspicious conjunction of
 planets. —८: —९म् N. of one of the seven great divisions
 of the universe. —Comp. —अक्षः an epithet of Viṣṇu;
 अवादये पुष्करावर्तस्य तार्क्ष्यः संनिहितोऽभवत् Bm. 2. 108. —आख्यः;
 —आहृः the (Indian) crane. —आवर्तकः an epithet of a
 class of clouds said to cause dearth or famine; जातं
 वंशे भुवनविदिते पुष्करावर्तकानाम् Me. 6; Ku. 2. 50, Ve. 3. 2.
 —तीर्थः N. of a sacred bathing-place; see पुष्कर above.
 —नामः an epithet of Viṣṇu. —पत्रम् a lotus-leaf. —ग्रियः
 wax. —बीजम् lotus-seed. —विष्णुः the god Brahmā;
 जगाम लोकं स्वमखण्डितोत्सर्वं समीक्षितः पुष्करविष्णुरादिभिः Bhāg.
 3. 19. 31. —व्याघ्रः an alligator. —शिखा the root of a
 lotus. —सारी a kind of writing; L. V. —स्फुरतिः an
 epithet of Śiva. —स्त्रज् f. a garland of lotuses. —म.
 (du.) N. of the two Aśvinīkumāras.

पुष्करायते Den. A. To act as a drum.

पुष्करिका A kind of disease (abscess on the penis).

पुष्करिणी 1 A female elephant. —2 A lotus-pool.
 —3 A piece of water, lake or pool in general; ततः
 पुष्करिणी वीरौ पम्पां नाम गमिष्यथ Rām. 3. 73. 11. —4 The
 lotus-plant.

पुष्करिन् a. (—णी f.) Abounding in lotuses. —म. An
 elephant.

पुष्कल a. [पुष्-कलच् किञ्च; पुष्कसिंहमाऽलच् वा Tv.] 1 Much,
 copious, abundant; भक्षितेनापि भवता नाहारो मम पुष्कलः H.
 1. 81; प्रजां प्राप्नोति पुष्कलाम् Ms. 3. 277; Pt. 1. 63. —2
 Full, complete; स्तुतिभिः पुष्कलाभिः Bg. 11. 21;
 आविरासीद्यथा प्राच्यां दिशिन्दुरिव पुष्कलः Bhāg. 10. 3. 8. —3 Rich,
 magnificent, splendid. —4 Excellent, best, eminent. —5
 Near. —6 Loud, resonant, resounding. —८: 1 A kind
 of drum. —2 An epithet of Śiva. —३ Of mount Meru,